भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
ल खत प्रश्न सं. 1376
गुरूवार, 28 जुलाई, 2022/06 श्रावण, 1944 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में आलप्पुझा पर्यटन गंतव्य के मॉडल के रूप में

1376. श्रीमती जेबी माथेर हीशमः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

क्या सरकार वैश्विक बैकवाटर हब 'आलप्पुझा केरल-पूर्व का वेनिस' को अपनाने और उसे दुनिया के लए एक मॉडल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्था पत करने की इच्छुक है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने ''एक वरासत अपनाएं: अपनी धरोहर, अपनी पहचान" परियोजना शुरू की है। यह पर्यटन के वकास के लए पर्यटन मंत्रालय , संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों का एक संयुक्त प्रयास है। इसका लक्ष्य पूरे भारत में फैले वरासत/प्राकृतिक/पर्यटन स्थलों को पर्यटन के अनुकूल बनाने के लए योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से सु वधाएं वक सत करना है।

इस परियोजना का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र की कंपनियों, कॉर्पोरेट नागरिकों, गैर-सरकारी संगठनों, व्यक्तियों और अन्य हितधारकों को 'स्मारक मत्र' बनने और सीएसआर के तहत एक स्थानई निवेश मॉडल के रूप में उनकी रु च तथा व्यवहार्यता के अनुसार इन स्थलों पर मूलभूत और उन्नत पर्यटक सु वधाओं के वकास और उन्नयन की जिम्मेदारी लेने के लए प्रोत्सा हित करना है। उन्हेंन इनके प्रचालन और रखरखाव का कार्य भी करना होगा।

अब तक, एक वरासत अपनाएं परियोजना के तहत अलप्पु झा, केरल में सु वधाओं के वकास, उन्नयन और रख-रखाव के लए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। सम्भाम वत स्मारिक मत्र से ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त होने पर मूलभूत तथा उन्नपत सु वधाओं पर वचार कया जाएगा।

अभी यह निर्णय लया गया है क एक वरासत अपनाएं परियोजना के तहत अपनाए गए केंद्र द्वारा संर क्षत स्मारकों को संस्कृति मंत्रालय/भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को हस्तांतरित कया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय राज्य द्वारा संर क्षत स्मारकों अन्य मूर्त तथा अमूर्त पर्यटन परिसंपत्तियों के लए इस परियोजना को जारी रखेगा।

*****